ओ जी ओ पाबूजी थोरी

ओ जी ओ पाबूजी थोरी केसर घूघरिया या गमक्कावे ओ पाबूजी,
आ तो भगतों रे हित कारणे ,
पाबूजी भुरजाला थे हो भगतों र रखवाला.....

ओजीओ पाबूजी सुता सुख भर महलो नींद आ पाबूजी,
गोंडी केसर ने रमाई थे तो साथ मे,
देवल रे घर जावे पाबु केसर ले कर आवे,

ओजीओ पाबूजी जावो अमर कोट रे मोय ओ पाबूजी,
संग सोढ़ी रे राणी सु रच्यो ब्याव जी ,
गाया खिंची गेरी पाबु देवल दौड़ी आई,

ओजीओ पाबूजी जावो गायो वाली वॉर ओ पाबूजी,
थे तो धर्म निभायो देवल बहन रो,
गाया पाछी लावो पाबु टोगड़िया मिलावो,

ओजीओ पाबूजी गुण नेनु रे देवासी थोरा गावे ओ पाबूजी,
कोई कोलूमण्ड में आयने ,
सरणे माने लीजो पाबु दर्शन माने दिजो,

Source:
https://www.bharattemples.com/o-ji-o-pabuji-thori-kesar-gugariyan-ya-gamkkawe-o-pabuji/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw